

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक 04 जुलाई 2016

विषय:- श्री शतचण्डी जनकल्याण समिति पौड़ी द्वारा संचालित नेत्र प्रशिक्षण संस्थान के MOU की अवधि विस्तारित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3प/पैरा/आप्टोमैट्री/2/2016/11846, दिनांक 31.05.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत नेत्र उपचार एवं अन्धता निवारण के कुशल संचालन तथा तकनीकी मानव संसाधन बढ़ाये जाने हेतु श्री शतचण्डी जन कल्याण समिति जनपद पौड़ी गढ़वाल द्वारा संचालित स्कूल ऑफ आप्टोमैट्री को भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के पूर्ण करने के उपरान्त संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को प्रयोगात्मक प्रशिक्षण हेतु चिकित्सालय निर्माण अवधि में शिथिलता प्रदान करते हुये उक्त संस्थान को स्वयं के चिकित्सालय निर्माण अवधि अथवा एक वर्ष के लिये जो भी पहले हो, वर्तमान शैक्षणिक सत्र (2016-2017) हेतु जिला चिकित्सालय पौड़ी से सम्बद्धता, छात्र हित के दृष्टिगत निम्न प्रतिबन्धों के अधीन पुनः विस्तारित की जाती है:-

- (1) श्री शतचण्डी जन कल्याण समिति पौड़ी द्वारा संचालित स्कूल ऑफ आप्टोमैट्री को आप्टोमैट्री पाठ्यक्रम संचालन हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा अनुमति प्रदान की गई हो।
- (2) शासनादेश संख्या-724/XXVIII-3-2010-98/2010, दिनांक 27.09.2010 के प्रस्तर 'य' में वर्णित आबद्धीकरण के नियमों का संस्थान द्वारा अनुपालन किया जाना होगा।
- (3) बिना चिकित्सालय निर्माण पूर्ण किये शैक्षणिक सत्र वर्ष 2015-16 हेतु सम्बद्धता विस्तारित किये जाने के सम्बन्ध में संस्थान द्वारा दिनांक 25.09.2014 को शासन में इस आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया था कि उनके द्वारा निर्माणाधीन चिकित्सालय का कार्य 01 वर्ष में पूर्ण कर लिया जायेगा, चिकित्सालय निर्माण न होने की दशा में उनके शपथ पत्र को असत्य पाये जाने पर शासन द्वारा जो भी दण्डात्मक कार्यवाही होगी वह संस्थान को स्वीकार्य होगी।

उक्त शपथ पत्र के अनुसार संस्थान द्वारा अभी तक चिकित्सालय का निर्माण पूर्ण नहीं कराया गया है तथा संस्थान के संस्थापक के कैसर ग्रस्त होने के दृष्टिगत पुनः सम्बद्धता विस्तारित किये जाने का अनुरोध किया गया है। अतः मानवता आधार पर विस्तारित की जा रही उक्त सम्बद्धता के क्रम में उक्त संस्थान द्वारा 01 वर्ष के अन्तर्गत स्वयं के चिकित्सालय का निर्माण पूर्ण न करने पर संस्थान द्वारा जिला चिकित्सालय, पौड़ी से ली गयी 108 शैय्याओं की सम्बद्धता लिए जाने पर सामान्य मरीजों को होने वाली परेशानियों के कारण उक्त 108 शैय्याओं की निजी दरों (सी0जी0एच0एस0) के (शासकीय दरों हेतु अदा शुल्क

घटाकर) बराबर जुर्माना पूर्व शासनादेश संख्या-1661/XXVIII-3-2014-14/2009, दिनांक 15.10.2014 के क्रम में देय होगा।

- (4) संस्थान के संस्थापक के कैसर ग्रस्त होने के कारण मानवता आधार पर चिकित्सालय निर्माण अवधि में दी गई शिथिलता को भविष्य में अन्य प्रकरणों हेतु दृष्टान्त नहीं माना जायेगा।
- (5) यदि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को उक्त शैय्याओं की आवश्यकता होती है, तो उपर्युक्त सम्बद्धीकरण निरस्त किया जा सकता है।
- (6) उक्त संस्थान को सम्बद्धता विस्तारण अन्तिम बार मात्र वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2016-17 हेतु दिया जा रहा है। आगामी शैक्षिक सत्र से सम्बद्धता विस्तारण किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)

प्रमुख सचिव।

संख्या: 735/XXVIII-3-2016-14/2009, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित:-

- (1) निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- (2) अध्यक्ष, संचालन प्रबन्धन समिति, जिला चिकित्सालय, पौड़ी गढ़वाल।
- (3) मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पौड़ी।
- (4) मुख्य चिकित्साधीक्षक, जिला चिकित्सालय, पौड़ी।
- (5) निदेशक/संस्थापक, श्री शतचण्डी जन कल्याण समिति, ग्राम मैठाणा, पो0 चौरा, पट्टी ढोई ज्यूली, जनपद पौड़ी गढ़वाल।
- (6) एन0आई0सी0।
- (7) गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिवस्वरूप त्रिपाठी)

अनु सचिव।